है। यह समिति कारों की किस्म और कार निर्माताओं द्वारा सप्लाई किये जाने वाले औजारों की संख्या के बारे मे भी जांच करेगी ।

कारों का निर्माण

4222. श्री मृत्युंजय प्रसाद :
श्री हरिकृष्ण :
महन्त दिग्विजय नाथ :
श्री प्रेमचन्द वर्मा :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) वर्तमान क्षमता के अन्तर्गत हो सकने वाले उत्पादन से बैडफोर्ड, फिएट, स्टैंडर्ड, लोलैंड, टैम्पो और टाटा मर्सेडीज कारो का उत्पादन कम होने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या इन कारो के उत्पादन को बढ़ाने के लिये कोई प्रयत्न किए जा रहे हैं ,

(ग) एम्बैसेडर कारो की उत्पादन क्षमता 30,000 तक बढाने के हेतु आवश्यक पुर्जे तथा कच्चे माल के आयात के लिए हिन्दुस्तान मोटर्स ने दिसम्बर, 1966 मे कितनी विदेशी मुद्रा की माग की थी , और

(घ) प्रीमियर आटोमोबाइल्स ने फिएट कारो की उत्पादन क्षमता 30,000 तक करने के हेतु अपने कारखाने का विकास करने के लिए तथा क्षमता बढ जाने के बाद फलतू पुर्जे तथा कच्चे माल के आयात के लिए कितनी कितनी विदेशी मुद्रा की माग की है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). जनवरी से मई, 1967 के दौरान उत्पादन में कमी पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में केवल बैडफोर्ड वाणिज्यिक गाड़ियो, स्टैण्डर्ड एक टन तक ट्रक तथा टैम्पो तीन पहियों वाले तक सीमित है। टाटा मर्सेडीज बैंज और लीलैंड वाणिज्यिक गाड़ियों तथा फिएट और स्टैण्डर्ड हेराल्ड कारों के निर्माण में वस्तुत: इसी अवधि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में बढ़ा है।

वाणिज्यिक गाड़ियों के उत्पादन में कमी इन गाड़ियो की मांग गिर जाने के कारण हुई है, जब तक माग बढ़ नही जाती तब तक इनका उत्पादन बढ़ाने की गुजाइश नही है।

(ग) हिन्दुस्तान मोटर्स लि० कलकत्ता ने दिसम्बर, 1966 मे 908 लाख रु० की विदेशी मुद्रा एक वर्ष के लिए नियत करने के लिए कहा है जिससे वह कारो का अपना उत्पादन बढ़ा कर 30,000 कारे प्रति वर्ष कर सके ।

(घ) जनवरी, 1967 मे मैसर्स प्रीमियर आटोमोबाइल्स लि० बम्बई ने फिएट कारो की क्षमता बढ़ा कर 30,000 प्रति वर्ष कर देने का एक प्रस्ताव रखा था। उन्होंने बताया था कि उन्हे पूजीगत वस्तुओ का आयत करने के लिए 3.75 करोड रु० की विदेशी मुद्रा की आवश्यकता पड़ेगी। प्रस्तावित विस्तार करने के लिए उन्होने पुर्जों और कच्चे माल का आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा की अपनी कुछ भी आवश्यकता का सकेत नहीं किया था ।

बिहार में सीमेंट का वितरण

4223. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री मुद्रिका सिंह :
श्री भोगेन्द्र झा :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि बिहार राज्य में सीमेंट के वितरण में बड़ा गोलमाल हो रहा है